राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

हिन्दुस्तान एकता

सूर्यास्त 06:56 | सूर्योदय 05:49
तापमान
अधिकतम 43° | न्यूनतम 29°

वर्ष: 07 | अंक: 08 | पृष्ठ: 04 | मूल्य: ₹1.00

info@hindustanekta.com
कैथल, शनिवार 25 अप्रैल, 2026
RNI-HRHIN/26/A1127

शो मस्ट गो ऑन... चुनौतियों के बीच चमकती एक आवाज आर. जे. रेखा

आर.जे. रेखा
क्रिस्टल वॉयस
आकाशवाणी एफएम
गोल्ड 100.1

रेडियो की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली आर.जे. रेखा, जिन्हें श्रोता "क्रिस्टल वॉइस" के नाम से जानते हैं, एक बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं। रेडियो के साथ-साथ दूरदर्शन, बीबीसी और कई प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म्स पर अपनी आवाज और प्रस्तुति से उन्होंने खास मुकाम हासिल किया है। कविताएं, कहानियां, स्टेज एंकरिंग और अभिनय में भी उनका योगदान सराहनीय रहा है। इस खास बातचीत में उन्होंने अपने सफर, चुनौतियों, तैयारी और सफलता के मंत्र साझा किए हैं, जो न केवल नए आरजे बल्कि हर सपने देखने वाले के लिए प्रेरणादायक हैं।

Q अपने बारे में थोड़ा बताइए...

—रेडियो पर मेरे श्रोता मुझे आर.जे. रेखा क्रिस्टल वॉइस के नाम से जानते हैं। एक लंबे समय से रेडियो के अलावा दूरदर्शन, बीबीसी जैसे कई चैनलों के साथ जुड़े होने के अलावा मेरी आवाज कई जाने-माने ब्रांड्स के प्रमोशनल वीडियो और ऑडियो में इस्तेमाल होती रही है। कविताएं और कहानियां लिखना मुझे पसंद है। मेरे दो काव्य संग्रह गत वर्षों में पाठकों का स्नेह पा चुके हैं।लाइव स्टेज एंकरिंग के अलावा मैं अभिनय जगत में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुकी हूं,टीवी और सिनेमा के ज़रिए। गणतंत्र दिवस परेड में कमेंट्री भी कई साल से करती रही हूं।

Q आपने रेडियो जॉकी बनने का फैसला क्यों किया?

—बचपन से रेडियो सुनते-सुनते रेडियो से लगाव बढ़ता चला गया। कब ये पैशन बना और फिर प्रोफेशन पता ही नहीं चला। जैसे कोई हाथ पकड़कर इस और खींचता चला गया।

Q इस फील्ड में आने के लिए आपने क्या तैयारी की?

—भाषा पर कमांड होने के साथ-साथ मीठी आवाज और एक अलग अंदाज तो इस फील्ड के लिए हमेशा से ही ज़रूरी रहा है लेकिन आपकी जनरल नॉलेज और राइटिंग स्किल्स भी इसका एक अहम हिस्सा है। फिल्मी दुनिया की जानकारी, गीतों से प्यार बहुत सी ऐसी चीज है जो इस दुनिया से जुड़ने के लिए बहुत जरूरी है। इन्हीं सब पर अपनी पकड़ बनाते हुए मैं इस जगत में आगे बढ़ती गई और यह प्रयास हर दिन थोड़ा और आगे ले जाने के लिए जारी रहता है।

Q आपने किन-किन रेडियो स्टेशनों या शो में काम किया है?

—एफ.एम.गोल्ड, एफ़.एम. रेनबो, दिल्ली यूनिवर्सिटी कम्यूनिटी रेडियो, इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी रेडियो, बीबीसी, दूरदर्शन, NDTV,जैसे कई जाने-माने चैनल्स के लिए अपनी आवाज और उपस्थिति दे चुकी हूं। भक्ति संगीत, गजल, फिल्मी गीत, हर तरह के अलग-अलग शो को मैंने रेडियो पर प्रस्तुत किया है।

Q एक अच्छे RJ के लिए सबसे जरूरी स्किल्स क्या हैं?

—भाषा की अच्छी समझ, अच्छी आवाज,बेहतरीन अंदाज, क्रिएटिविटी, हर फील्ड की थोड़ी-थोड़ी नॉलेज, राइटिंग स्किल के अलावा फिल्मी दुनिया की जानकारी, सही उच्चारण, भाव की समझ- ये सभी बहुत जरूरी चीजें हैं।खुद को हर दिन अपडेट रखते हुए,अगर आप इनमें निपुण हैं तो आप एक बेहतरीन RJ बन सकते हैं।

Q आप अपनी वॉइस और कम्युनिकेशन स्किल्स को कैसे बेहतर बनाते हैं?

—लाउड रीडिंग करना,अंदाज़ और भाव के साथ बोलने और पढ़ने की प्रैक्टिस करना, नये शब्द सीखना, ज्यादा ठंडा या तला हुआ या स्पाइसी फूड से परहेज करना, चिल्लाकर बात न करना,टंग ट्विस्टर्स की प्रैक्टिस करना। ख़ुद की आवाज को रिकॉर्ड करके सुनना अपनी कमियों को सुधारना। ये सभी बहुत ज़रूरी है आवाज और अंदाज को बनाए रखने के लिए।

Q लाइव शो के दौरान आप ऑडियंस को एंगेज कैसे रखते हैं?

—मौसम और माहौल के मुताबिक बात करना श्रोताओं को बांधकर रखने का एक ख़ास तरीका है और साथ ही सिर्फ इंटरटेनमेंट ही नहीं, जरूरी जानकारी को भी अपने स्क्रिप्ट में शामिल करना बेहद लाभदायक होता है। बोलने का अंदाज भाषण जैसा नहीं बातचीत जैसा हो और लोगों को आपकी बात सुनकर अपनेपन का एहसास हो तो श्रोता आप से कनेक्टेड फील करते हैं।

Q अगर लाइव शो के दौरान कोई गलती हो जाए तो आप कैसे हैंडल करते हैं?

—लाइव शो में वैसे तो कोशिश रहती है कि कोई गलती ना हो पर फिर भी अगर कुछ गलत उच्चरित हो जाए तो उसी समय माफी मांग कर उसे सही दोहराना सबसे अच्छा तरीका है। बिना घबराए उस समय प्रेजेंस ऑफ माइंड बेहद काम आता है।

Q अगर कोई कॉलर गलत या अजीब बात कह दे तो आप क्या करेंगे?

—तो उस बात को संभालना हमारा दायित्व बन जाता है।आदरपूर्वक शब्दों के साथ हम अपनी बात को रख सकते हैं। उसे एहसास करा सकते हैं कि उसने जो कहा वो गलत है। अगर बात किसी को आहत करने वाली हो तो फोन को डिस्कनेक्ट कर देना ही बेस्ट ऑप्शन है और फिर उस बात को सही करना ताकि किसी को ठेस न पहुंचे ये भी हमारी ही जिम्मेदारी बन जाती है।

Q अचानक से कंटेंट खत्म हो जाए तो आप क्या करेंगे?

—कंटेंट खत्म नहीं होता क्योंकि हमें पहले से अपने शो की अवधि और विषय पता होता है। उसी के अनुसार हम काफी जानकारी अपने पास पहले से रखते हैं फिर भी अगर अचानक कुछ बोलना पड़े तो वहीं एक RJ का स्किल काम आता है। कोई खूबसूरत बात जिंदगी या माहौल के बारे में की जा सकती है।

Q आप अपने शो के लिए कंटेंट कैसे तैयार करते हैं? क्या आप खुद स्क्रिप्ट लिखते हैं या टीम के साथ काम करते हैं?

—स्क्रिप्ट हमें खुद तैयार करनी होती है पर उसे हम अपने अधिकारियों से एक बार चेक करा लेते हैं ताकि अगर उसमें कोई कमी या गलती हो तो पहले ही सुधारी जा सके।

Q रेडियो इंडस्ट्री में आने वाले नए लोगों के लिए आपका क्या सुझाव है?

—किसी की नकल करके न सीखें अपना अंदाज विकसित करें। क्योंकि ओरिजिनल हमेशा कॉपी से बेहतर होता है। भाषा को समझें, उच्चारण पर काम करें, क्रिएटिव बनें और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहें।

Q इस फील्ड में सबसे बड़ी चुनौतियां क्या हैं?

—आप कितने भी परेशान हों आपकी मुस्कुराहट हमेशा बनी रहनी चाहिए। जब आप रेडियो पर हो तो अपनी पर्सनल लाइफ़ को एक तरफ रख कर सिर्फ़ रेडियो, श्रोता और अपना शो बस यही ख़्याल होना चाहिए। कभी-कभी आप किसी परेशानी में होते हैं पर फिर भी रेडियो पर आप मुस्कुरा कर बात करते हैं यह चुनौती भरा हो सकता है लेकिन आप कितने भी परेशान हो हमेशा याद रहे "शो मस्ट गो ऑन"।

Q अगर आप RJ नहीं होते तो क्या होते?

—तो शायद मैं एक फौजी होती। अगर मौका मिलता तो, पर वो मौका नहीं मिला। फैमिली में कोई नहीं था ऐसा जो उस रास्ते पर जाने के लिए मार्गदर्शन कर सके। शायद किस्मत को वो नहीं ये मंजूर था और फिर रेडियो की तरफ़ भी झुकाव बढ़ता गया। तो पता नहीं कब ख़ुद में एक आर.जे. ही दिखने लगा और बस यही आज सच है।

आपकी आवाज हमारी ताकत

आप कोई सामाजिक, धार्मिक आयोजन, प्रेस कॉन्फ्रेंस या किसी संस्था से जुड़ी कोई खबर, खुला नाला है, पानी से भरा गड्ढा है, रोड टूटी या गड्ढे हैं, हादसे का खतरा है इत्यादि खबरें हमारे साथ साझा करना चाहते हैं तो अब दूर नहीं। आपको केवल खबर और खबर से जुड़े चुनिंदा दो फोटो कैप्शन के साथ भेजना होगा। आपकी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ऐसे भेजे
वॉट्सएप कर सकते हैं
9499422208
हमें QR स्कैन कर वेबसाइट पर भी भेज सकते हैं

न्यूज ब्रीफ

मंडियों की व्यवस्थाओं पर डीसी सख्त

कैथल » शहर की अनाज मंडियों में व्यवस्थाओं को लेकर उठे मुद्दों पर डीसी अपराजिता ने कड़ा संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सीजन के दौरान किसानों और मजदूरों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा सभी मूलभूत सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध करवाई जाएं। समाचार पत्रों में अव्यवस्थाओं संबंधी खबर प्रकाशित होने पर डीसी ने मार्केट कमेटी सचिव से जवाब तलब किया। सचिव ने बताया कि पुरानी अनाज मंडी में 24 घंटे कर्मचारी तैनात रहते हैं और 22 अप्रैल की रात को भी स्टाफ मौजूद था, जिसकी पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से की जा सकती है। कूड़ा उठान को लेकर बताया कि मंडी के बीच स्थित होने के कारण बड़े वाहन अंदर नहीं पहुंच पाते, इसलिए कचरे को अस्थायी रूप से एकत्र किया गया है। ठेकेदार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। नई मंडी के बाहर का क्षेत्र नगर परिषद के अधीन बताया गया, जबकि परिसर में स्ट्रीट लाइटें सुचारू हैं।

हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना से महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर

» 5 लाख तक ऋण व 7% ब्याज अनुदान से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा

कलासो देवी » कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को बैंकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है।

यह योजना हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से संचालित की जा रही है। इसके तहत महिलाएं डेयरी, छोटे उद्योग, सेवा क्षेत्र और स्वरोजगार से जुड़े विभिन्न कार्य शुरू कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि परिवहन सेवाओं के अंतर्गत ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा, थ्री-व्हीलर और टैक्सी, जबकि सेवा क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, फोटोस्टेट, फूड स्टॉल, टिफिन सर्विस, आचार-पापड़ निर्माण, बिस्कुट व आइसक्रीम यूनिट जैसे कार्य शामिल हैं।

इस योजना के तहत समय पर ऋण की किस्त चुकाने पर तीन वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से दिया जाएगा, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से काफी राहत मिलेगी। हरियाणा महिला विकास निगम की जिला प्रबंधक कंचन बाला ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाकर स्वरोजगार अपनाएं और आत्मनिर्भर बनें। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए हरियाणा महिला विकास निगम के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

योजना के लिए पात्रता नियम

योजना का लाभ लेने के लिए महिला हरियाणा की स्थायी निवासी होनी चाहिए और उसकी वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम होनी आवश्यक है। आवेदन के समय महिला की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा वह किसी बैंक ऋण की डिफॉल्टर नहीं होनी चाहिए।

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज

योजना के लिए आवेदन करते समय परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, प्रशिक्षण या अनुभव प्रमाण पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों की दो-दो प्रतियां जमा करवानी होंगी।

लापता बच्चों के मामलों में पुलिस थानों में पैनल वकील तैनात

कलासो देवी » कैथल

सीजेएम कंवल कुमार ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिले में लापता बच्चों से संबंधित मामलों में तुरंत कानूनी सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न पुलिस थानों में पैनल अधिवक्ताओं की तैनाती की गई है। यह तैनाती 1 मई से 31 मई 2026 तक प्रभावी रहेगी। यह व्यवस्था बचपन बचाओ आंदोलन बनाम भारत संघ एवं अन्य के अनुपालन में लागू की गई है। इसके तहत संबंधित पुलिस स्टेशनों से सूचना प्राप्त होने पर अधिवक्ता लापता बच्चों के माता-पिता एवं अभिभावकों को आवश्यक कानूनी सहायता उपलब्ध करवाएंगे।

उन्होंने बताया कि तैनात पैनल अधिवक्ताओं में रूमेश देवी (तितरम व सीवन थाना), मनीषा (पूंडरी थाना व एसवीबी), मीनाक्षी (सिटी व सदर थाना कैथल), मोनिका (सिविल लाइन व कलायत थाना), निशा (ढांड व राजौंद) तथा स्वीटी जीआरपी व महिला थाना शामिल हैं।

जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना की अपील

» 30 अप्रैल तक ऑनलाइन भरें परिवार का विवरण, पहली बार मिली डिजिटल सुविधा

कैथल। डीसी अपराजिता ने जनगणना 2027 के तहत आमजन से अपील की है कि वे 30 अप्रैल तक स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लेकर जनगणना कार्य में सहयोग करें। उन्होंने बताया कि इस बार पहली बार नागरिकों को स्वयं अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन भरने की सुविधा दी गई है। डीसी ने बताया कि नागरिक se.census.gov.in पोर्टल के माध्यम से सुरक्षित तरीके से अपने परिवार का डाटा दर्ज कर सकते हैं।

यह पोर्टल 16 अप्रैल से शुरू हो चुका है और निर्धारित अवधि तक सक्रिय रहेगा। फॉर्म सफलतापूर्वक जमा करने पर प्रत्येक परिवार को 11 अंकों की यूनिक स्व-गणना आईडी मिलेगी, जिसे सत्यापन के समय प्रगणक को दिखाना होगा। उन्होंने बताया कि मोबाइल नंबर से लॉगिन कर लगभग 33 प्रश्नों के उत्तर देकर 15 से 20 मिनट में पूरी प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। इससे घर-घर जाकर होने वाली पूछताछ में भी आसानी होगी। डीसी ने कहा कि यह देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें कर्मी मोबाइल ऐप के माध्यम से डाटा सीधे केंद्रीय सर्वर पर अपडेट करेंगे। जो लोग ऑनलाइन सुविधा का लाभ नहीं उठा पाएंगे, उनके लिए पारंपरिक व्यवस्था भी जारी रहेगी।

स्व-गणना से जुड़े मुख्य बिन्दु...

- **अंतिम तिथि:** 30 अप्रैल
- **पोर्टल:** se.census.gov.in
- **प्रक्रिया समय:** 15–20 मिनट
- **कुल प्रश्न:** लगभग 33
- **यूनिक आईडी:** 11 अंकों की
- **सुविधा:** पहली बार स्व-गणना का विकल्प
- **विकल्प:** ऑनलाइन व घर-घर दोनों तरीके उपलब्ध

एनसीसी गर्ल्स बटालियन में 'ए' सर्टिफिकेट वितरित, 100% रिजल्ट

लुधियाना। लुधियाना स्थित 3 पंजाब गर्ल्स बटालियन एनसीसी द्वारा एक औपचारिक समारोह में जूनियर विंग (जेडब्ल्यू) कैडेट्स को एनसीसी 'ए' प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस परीक्षा में कैडेट्स का परिणाम 100% रहा, जो उनकी मेहनत और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन को दर्शाता है। इस अवसर पर 21 से 24 अप्रैल तक एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षकों को एनसीसी जेडब्ल्यू पाठ्यक्रम में हुए बदलावों से अवगत कराना और उनके प्रशिक्षण कौशल को मजबूत करना था। सत्र में साइबर सुरक्षा, अग्निशमन, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, जीवन कौशल और नैतिक मूल्यों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना था, जिससे कैडेट्स को बेहतर मार्गदर्शन मिल सके। 3 पंजाब गर्ल्स बटालियन एनसीसी की कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आर.एस. चौहान ने कैडेट्स और प्रशिक्षकों के प्रदर्शन की सराहना की और उनके समर्पण व उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया।

दैनिक जीवन में योग अपनाने के लिए किया प्रेरित

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण पखवाड़ा के तहत सनातन धर्म मंदिर में सुपरवाइजरों के लिए योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में योग विशेषज्ञों ने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास कराया। विशेषज्ञों ने योग के शारीरिक व मानसिक लाभों की जानकारी देते हुए इसे दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत नांदेड़ के लिए विशेष ट्रेन 5 मई को, आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ी

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि हरियाणा सरकार की 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' के तहत बुजुर्ग श्रद्धालुओं को महाराष्ट्र स्थित तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ के दर्शन करवाए जाएंगे। इसके लिए 5 मई को कुरुक्षेत्र से एक विशेष ट्रेन रवाना होगी, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी है। इच्छुक श्रद्धालु सरल हरियाणा पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। यात्रा पूरी तरह निःशुल्क होगी, जिसमें रहने, खाने और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी शामिल होंगी।

डीसी ने बताया कि लाभार्थियों का चयन "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने पात्र बुजुर्गों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है ताकि वे इस योजना का लाभ उठा सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि पंजीकरण करवाने वाले श्रद्धालु लघु सचिवालय स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में भी अपनी जानकारी दें, ताकि यात्रा की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से की जा सकें।

पात्रता व आवश्यक दस्तावेज...

- **आयु:** 60 वर्ष या अधिक
- **वार्षिक आय:** 1.80 लाख रुपये से कम (PPP के अनुसार)
- **लाभ:** तीन साल में एक बार
- **निवासी:** हरियाणा का होना अनिवार्य
- फोटो पहचान पत्र (आधार/पैन/अन्य)
- परिवार पहचान पत्र
- स्वास्थ्य संबंधी स्वयं घोषणा
- पिछले 3 वर्षों में योजना का लाभ न लेने का प्रमाण

सख्त रुख » लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी, जन शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश

समाधान शिविर में देर से पहुंचे अधिकारियों पर डीसी सख्त

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में वीरवार को डीसी अपराजिता का सख्त रुख देखने को मिला। शिविर में देरी से पहुंचे अधिकारियों को फटकार लगाते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि समय पर उपस्थित होकर आमजन की समस्याओं का समाधान करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में देरी या लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने कहा कि प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुनकर निर्धारित समय सीमा में उसका प्रभावी निपटारा सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं।

शिविर में लावारिस कुत्तों की समस्या और अवैध अतिक्रमण से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। स्थानीय लोगों ने खतरनाक कुत्तों के कारण बढ़ रही दुर्घटनाओं पर चिंता जताई, वहीं सुंदरान मोहल्ला में दुकानों के अतिक्रमण से रास्ता बाधित होने की शिकायत दी गई। डीसी ने डीएमसी कपिल कुमार को दोनों मामलों में तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसके अलावा वार्ड 22 की दर्शना देवी ने विधवा पेंशन बंद होने की शिकायत रखी, जिस पर डीसी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को तत्काल कार्रवाई कर पेंशन बहाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य कर रहा है और बुनियादी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु...

- आवारा कुत्तों व अतिक्रमण की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई हो।
- विधवा पेंशन बहाली के लिए अधिकारियों को आदेश।
- लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी।
- बिजली, पानी, सड़क व स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान पर जोर।

एनएचआरसी की 12वीं लघु फिल्म प्रतियोगिता 2026 शुरू, 30 जून तक भेज सकते हैं एंट्री

कलासो देवी » कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा 12वीं लघु फिल्म प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि जिले के युवा, विद्यार्थी एवं आम नागरिक इस प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। प्रतिभागी अपनी लघु फिल्में 30 जून 2026 तक Google Drive के माध्यम से nhrcshortfilm@gmail.com पर भेज सकते हैं। डीसी ने बताया कि देश का कोई भी नागरिक, किसी भी आयु वर्ग से इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकता है। फिल्म हिंदी, अंग्रेजी या किसी भी भारतीय भाषा में बनाई जा सकती है, जबकि गैर-अंग्रेजी फिल्मों के लिए अंग्रेजी सब-टाइटल अनिवार्य होंगे। फिल्म की अवधि न्यूनतम 3 मिनट और अधिकतम 10 मिनट निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विजेताओं को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। अधिक जानकारी और दिशा-निर्देश राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते हैं।

प्रतियोगिता से जुड़ी खास जानकारी

- **आयोजन:** राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
- **भागीदारी:** सभी आयु वर्ग के नागरिक
- **फिल्म अवधि:** 3 से 10 मिनट
- **भाषा:** हिंदी/अंग्रेजी/अन्य भारतीय भाषा (अंग्रेजी सबटाइटल अनिवार्य)
- **अंतिम तिथि:** 30 जून 2026
- **भेजने का माध्यम:** Google Drive (nhrcshortfilm@gmail.com

पुरस्कार

- **प्रथम:** 2 लाख
- **द्वितीय:** 1.5 लाख
- **तृतीय:** 1 लाख
- **विशेष उल्लेख:** 50-50 हजार (अधिकतम 4 प्रतिभागी)

सुविचार

"हार तो वो सबक है जो आपको बेहतर होने का मौका देगी।"

अंक, अभिभावक और अवसाद: शिक्षा पर एक जरूरी बहस...

संदीप तोमर
डी2/1 जीवन पार्क उत्तम नगर, नई दिल्ली

हर वर्ष जैसे ही बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित होते हैं, समाज में एक अजीब-सी हलचल शुरू हो जाती है। कहीं मिठाइयां बंटती हैं, तो कहीं घरों में सन्नाटा पसरा होता है। इन सबके बीच सबसे ज्यादा दबाव जिस पर होता है, वह है—बच्चा। यह सवाल अब गंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि क्या वास्तव में बच्चों का यह तनाव उनकी अपनी क्षमता का परिणाम है, या फिर हमारी—यानी अभिभावकों की—खराब पेरेंटिंग का असर?

आज के समय में यह एक कटु सत्य बन चुका है कि बच्चे अंक (मार्क्स) को लेकर तनाव में जीते हैं। कई बार यह तनाव इतना गहरा हो जाता है कि वे आत्महत्या जैसे भयावह कदम तक उठा लेते हैं। यह स्थिति किसी एक बच्चे या परिवार की नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक मानसिकता की देन है। हमने अनजाने में परीक्षा और अंकों को जीवन का अंतिम सत्य बना दिया है।

व्यक्तिगत अनुभव बताता है कि बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालना पूरी तरह से टाला जा सकता है। मैंने कभी अपनी बेटियों से परीक्षा देकर आने के बाद उनका प्रश्नपत्र नहीं देखा, न यह पूछा कि कौन-सा उत्तर कैसा लिखा। न ही परिणाम को लेकर कोई जिज्ञासा जताई। मेरा मानना है कि बच्चा जो लिखकर आ चुका है, वह अब बदला नहीं जा सकता। फिर उस पर चर्चा करके उसे क्यों मानसिक तनाव दिया जाए? क्या वह चर्चा केवल हमारे 'जानने' के लिए होती है, या वास्तव में बच्चे के भले के लिए?

दरअसल, समस्या केवल बच्चों में नहीं, अभिभावकों की सोच में भी है। हम अपने बच्चों की उपलब्धियों को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ देते हैं। एक पड़ोसी की बेटी का उदाहरण सामने है—जब मैंने परिणाम जानने के लिए संपर्क किया, तो जवाब मिला कि "देख लिया है।" उस एक वाक्य में एक संकोच, एक छुपाव, और कहीं न कहीं एक सामाजिक भय छिपा था—कि कहीं परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप न हुआ हो, और लोग क्या सोचेंगे! यह प्रवृत्ति बताती है कि परीक्षा परिणाम अब केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक स्टेटस का प्रतीक बन गया है।

यही कारण है कि आज आवश्यकता केवल बच्चों को पढ़ाने की नहीं, बल्कि अभिभावकों को 'पढ़ाने' की है। यह विचार अब अतिशयोक्ति नहीं लगता कि अच्छी पेरेंटिंग के लिए भी स्कूल या प्रशिक्षण संस्थान होने चाहिए। समाजशास्त्र जैसे विषयों में पेरेंटिंग पर एक अध्याय शामिल किया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी बेहतर अभिभावक बन सके।

शिक्षा की वर्तमान व्यवस्था पर भी पुनर्विचार आवश्यक है। आज शिक्षा का स्वरूप अत्यधिक अंक-केन्द्रित हो गया है, जबकि वास्तविक आवश्यकता व्यवसायोन्मुखी और जीवनोपयोगी शिक्षा की है। क्या वास्तव में एक परीक्षा यह तय कर सकती है कि कोई बच्चा जीवन में कितना सफल होगा? यदि नहीं, तो फिर ऐसी परीक्षा प्रणाली का औचित्य क्या है, जो छात्रों में भय और तनाव उत्पन्न करें?

जब मैं अपने पुराने शैक्षणिक दस्तावेज देखता हूँ, तो यह प्रश्न मन में आता है कि यदि मेरे अंक और अधिक होते, तो क्या वास्तव में मेरे जीवन में कोई बड़ा परिवर्तन आ जाता? शायद नहीं। मैं आज भी वही होता—एक शिक्षक, एक लेखक। यह अनुभव यह समझने के लिए पर्याप्त है कि अंक जीवन का अंतिम सत्य नहीं हैं।

अतः समय की मांग है कि हम शिक्षा और पेरेंटिंग—दोनों को नए दृष्टिकोण से देखें। बच्चों को अंक नहीं, आत्मविश्वास दें; तुलना नहीं, समझ दें; और सबसे बढ़कर—उन पर भरोसा करें। क्योंकि एक स्वस्थ और संतुलित बच्चा ही एक स्वस्थ समाज की नींव रख सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

संपादकीय

AI का बढ़ता प्रभाव: अवसर या चुनौती?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आज के दौर की सबसे प्रभावशाली तकनीकों में से एक बन चुकी है। यह केवल मशीनों को "स्मार्ट" बनाने तक सीमित नहीं रही, बल्कि हमारे सोचने, काम करने और निर्णय लेने के तरीकों को भी तेजी से बदल रही है। ऐसे समय में यह प्रश्न बेहद प्रासंगिक हो जाता है कि एआई हमारे लिए अवसर है या चुनौती। AI के सकारात्मक पहलुओं पर नजर डालें तो यह स्पष्ट होता है कि इसने कई क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में AI आधारित तकनीक रोगों की जल्दी पहचान करने में मदद कर रही हैं, जिससे इलाज अधिक प्रभावी हो पा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में पर्सनलाइज्ड लर्निंग के माध्यम से छात्रों को उनकी क्षमता और जरूरत के अनुसार पढ़ाया जा रहा है। कृषि में भी एआई मौसम की भविष्यवाणी और फसल प्रबंधन में किसानों की मदद कर रहा है। उद्योगों में ऑटोमेशन के जरिए उत्पादन तेज और सटीक हुआ है, जिससे समय और लागत दोनों की बचत हो रही है। इसके साथ ही AI ने नए रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं। डेटा एनालिसिस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए नए करियर विकल्प खुल रहे हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था के इस दौर में AI नवाचार (इनोवेशन) को बढ़ावा दे रहा है, जिससे देश की प्रगति को भी गति मिल रही है।

हालांकि, AI के बढ़ते प्रभाव के साथ कई गंभीर चुनौतियां भी सामने आई हैं। सबसे बड़ी चिंता रोजगार को लेकर है। ऑटोमेशन के कारण कई पारंपरिक नौकरियां खत्म होने के कगार पर हैं, जिससे बेरोजगारी का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, डेटा गोपनीयता और सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है। एआई सिस्टम्स बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत डेटा का उपयोग करते हैं, जिससे उसके दुरुपयोग की आशंका बनी रहती है।

एक और महत्वपूर्ण चिंता यह है कि कहीं AI पर अत्यधिक निर्भरता मानव की रचनात्मकता और निर्णय क्षमता को कमजोर न कर दे। मशीनें भले ही तेज और सटीक हों, लेकिन उनमें मानवीय संवेदनाएं और नैतिक समझ नहीं होती। ऐसे में केवल तकनीक पर भरोसा करना कई बार जोखिम भरा हो सकता है।

दरअसल, AI अपने आप में न तो पूरी तरह अवसर है और न ही पूरी तरह चुनौती। यह एक शक्तिशाली साधन है, जिसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसे किस दिशा में उपयोग करते हैं। यदि सरकारें और समाज मिलकर इसके लिए स्पष्ट नीतियां, नैतिक मानदंड और उचित नियंत्रण व्यवस्था बनाएं, तो AI मानव जीवन को बेहतर और आसान बना सकता है।

आज जरूरत इस बात की है कि हम AI को केवल तकनीकी नजरिए से नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से भी समझें। संतुलित उपयोग, जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ अपनाया गया AI निश्चित रूप से एक उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

जनप्रतिनिधियों की पेंशन पर सवाल...

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहाँ जनता सर्वोच्च मानी जाती है और जनप्रतिनिधि जनता के सेवक के रूप में कार्य करते हैं। परंतु समय-समय पर कुछ ऐसे मुद्दे सामने आते हैं, जो इस मूल भावना पर प्रश्नचिह्न खड़े कर देते हैं। पूर्व सांसदों की पेंशन और सुविधाओं को लेकर उठी हालिया बहस भी इसी श्रेणी में आती है। जब सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार से यह सवाल किया कि पूर्व सांसदों को दी जाने वाली पेंशन और सुविधाओं का औचित्य क्या है, तो इसने देशभर में एक नई चर्चा को जन्म दिया। यह प्रश्न केवल एक प्रशासनिक या कानूनी मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा हुआ विषय है। आखिर क्यों एक वर्ग को विशेषाधिकार प्राप्त हों, जबकि अन्य वर्गों को कड़े नियमों और सीमाओं में बांध दिया जाए? यह सवाल आम नागरिक के मन में स्वाभाविक रूप से उठता है।

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता द्वारा चुने जाते हैं ताकि वे उनके हितों की रक्षा कर सकें और समाज के विकास के लिए काम करें। यह एक जिम्मेदारी है, कोई स्थायी लाभ प्राप्त करने का माध्यम नहीं। परंतु जब जनप्रतिनिधियों को आजीवन पेंशन, कई प्रकार की सुविधाएं और विशेष अधिकार दिए जाते हैं, तो यह प्रश्न उठता है कि क्या यह व्यवस्था सेवा की भावना को बढ़ावा देती है या इसे एक विशेषाधिकार में बदल देती है। एक सामान्य सरकारी कर्मचारी को पेंशन पाने के लिए वर्षों तक सेवा करनी पड़ती है। कई बार 20 से 30 वर्षों की नौकरी के बाद ही वह इस सुविधा का हकदार बनता है। इसके विपरीत, सांसद बनने के लिए केवल एक कार्यकाल—जो कि पाँच वर्षों का होता है—भी पर्याप्त है। यह असमानता न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है।

भारतीय संविधान समानता के सिद्धांत पर आधारित है। हर नागरिक को समान अवसर और समान अधिकार मिलना चाहिए। लेकिन जब एक विशेष वर्ग को अतिरिक्त लाभ दिए जाते हैं, तो यह सिद्धांत कमजोर पड़ता दिखाई देता है। पूर्व सांसदों की पेंशन का मुद्दा इसी असमानता का प्रतीक बन गया है। जब देश का एक बड़ा वर्ग आर्थिक संघर्ष से जूझ रहा हो, बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं से परेशान हो, तब ऐसे विशेषाधिकार जनता के बीच असंतोष पैदा करते हैं। यह असंतोष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक भी होता है।

यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि इन पेंशनों और सुविधाओं का खर्च अंततः जनता के करों से ही पूरा होता है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या यह संसाधनों का सही उपयोग है? क्या यह धन शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं में निवेश नहीं किया जाना चाहिए? हालांकि यह तर्क दिया जा सकता है कि कुल बजट में यह खर्च बहुत अधिक नहीं है, लेकिन मुद्दा केवल राशि का नहीं, बल्कि सिद्धांत का है। यदि एक व्यवस्था असमानता को बढ़ावा देती है, तो उसे केवल इसलिए सही नहीं ठहराया जा सकता कि उसका आर्थिक प्रभाव सीमित है।

इस विषय पर एक पक्ष यह भी है कि जनप्रतिनिधियों को कार्यकाल के बाद कुछ सुविधाएं मिलनी चाहिए। उनका तर्क है कि सांसद बनने के बाद व्यक्ति को अपने पेशे, व्यवसाय या नौकरी से दूरी बनानी पड़ती है। ऐसे में कार्यकाल समाप्त होने के बाद उनके पास स्थायी आय का स्रोत नहीं होता। इसके अलावा, यह भी कहा जाता है कि यदि जनप्रतिनिधियों को आर्थिक सुरक्षा नहीं दी जाएगी, तो वे स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्णय लेने में सक्षम नहीं रहेंगे। वे बाहरी प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं, जिससे लोकतंत्र की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

एक व्यक्ति, अनेक पहचान समाज-व्यवस्था का दर्पण

डॉ. अभिनव,
असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

दुनिया के प्रत्येक देश अपने लोगों की सुरक्षा, सुविधा और जीविकाओं के लिए लोगों की गणना करता है ताकि अच्छी नीति बनाई जा सके। इस नीति के तहत की प्रत्येक व्यक्ति की पहचान भी सुनिश्चित करता है कि 'आप कौन है? कहाँ किस जगह रहते है? अब यह आप की नैतिकता की कसौटी है कि आप किस-किस जगहों पर 'आप कौन है? आपकी नैतिकता ही आपके देश की नैतिकता होती है क्योंकि दुनिया में आप इसी बात से जाने जाते है। आपने क्या आयरलैंड का ना सुना है, आपने जापान का नाम सुना है, आपने यूरोपियन देशों का नाम सुना है, आपने संयुक्त अरब देशों को नाम सुना है, यकीनन सुना ही होगा। यहाँ ये सब इसलिए कि कुछ नहीं बल्कि अपनी ईमानदारी भरी नैतिकता में दुनिया भर में प्रसिद्ध है। प्रसिद्ध हम भी हैं, इस संदर्भ में हम स्वयं की आकलन करे! कि हमारे पास एक प्रकार के कितने आईडेन्टी कार्ड है? हम का मतलब इधर राज्य, और राज्यों से भी है और देश से भी है। व्यक्ति की आईडेन्टी देखे जैसा कि हम सभी जानते भी है-

किसी व्यक्ति की विभिन्न आईडेन्टी उसके जीवन के विभिन्न पहलुओं को समाहित कर सकती हैं, जिनमें सामाजिक भूमिकाएँ, व्यक्गित विशेषताएँ और सांस्कृतिक जुड़ाव शामिल हैं। यहाँ कुछ उदाहरण दिए गए हैं सामाजिक आईडेन्टी - लिंग आईडेन्टीः पुरुष, महिला, गैर-द्विआधारी, ट्रांसजेंडर।

यौन अभिविन्यास, विषमलैंगिक, समलैंगिक, उभयलिंगी, अलैंगिक।, जातीय नस्लीय आईडेन्टीः एशियाई, अश्वेत, हिस्पैनिक, कोकेशियान, मूल निवासी।, सांस्कृतिक आईडेन्टी - राष्ट्रीय आईडेन्टीः अमेरिकी, कनाडाई, भारतीय, फ्रांसीसी।

धार्मिक आईडेन्टीः ईसाई, मुस्लिम, हिंदू, नास्तिक, अज्ञेयवादी। भाषाई आईडेन्टीः द्विभाषी, बहुभाषी, किसी विशिष्ट भाषा का मूल वक्ता। व्यावसायिक आईडेन्टी, करियर भूमिकाः शिक्षक, इंजीनियर, कलाकार, स्वास्थ्य सेवा कार्यकर्ता।, व्यावसायिक आईडेन्टीः उद्यमी, कर्मचारी, फ्रीलांसर, स्वयंसेवक। व्यक्तिगत पहचान- व्यक्तित्व गुण अंतर्मुखी, बहिर्मुखी, सहानुभूतिपूर्ण, विश्लेषणात्मक। जीवन के अनुभवः उत्तरजीवी, देखभालकर्ता, अभिभावक, छात्र।

आईडेन्टी का संयोजनः एक व्यक्ति खुद को एक अश्वेत, समलैंगिक महिला के रूप में पहचान सकता है जो एक शिक्षिका और एक ईसाई है, जो दर्शाता है कि कैसे कई पहचानें एक-दूसरे से जुड़ सकती हैं। ये पहचानें समय के साथ विकसित हो सकती हैं और इस बात को प्रभावित कर सकती हैं कि व्यक्ति स्वयं को कैसे देखता है और दूसरे उसे कैसे देखते हैं।

भारत में व्यक्ति के स्वयं के आईडेन्टी के लिए कुछ आईडेन्टी सिस्टम बनाया है जिसमें नेशनल आईडेन्टी और राज्यों में स्टेट योजनाओं के तहत भी आईडेन्टी सिस्टम बनाया है। इस आईडेन्टी सिस्टम को इस प्रकार समझा जा सकता है- जिनमें- आधार कार्ड, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, सरकारी कर्मचारी पहचान पत्र, हम पहचान पत्र के संदर्भ में थोड़ा और आगे बढ़े तो व्यक्ति के तौर पर और पहचान मिलती है- सार्वजनिक जीवन बीमा निगमों एवं कंपनियों द्वारा जारी पॉलिसी बॉड, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, डिप्राइड अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र, आर्थिक कमजोर प्रमाण पत्र (सामान्य जाति हेतु), स्वतंत्रता सेनानी पहचान पत्र, शस्त्र लाइसेंस, संपत्ति के दस्तावेज जैसे पट्टाए पंजीकृत दस्तावेज आदि सम्मलित हैं।

रेलवे पहचान पत्र, पूर्णकालिक पाठ्यक्रमों के संबंध में सरकारी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों द्वारा जारी छात्र फोटो पहचान पत्र, गैस कनेक्शन बिल, बैंक, किसान, डाकघर पासबुक, फोटो बैंक एटीएम कार्ड, फोटो क्रेडिट कार्ड

पेंशनभोगी फोटो कार्ड, राजपत्रित अधिकारी या तहसीलदार द्वारा लेटरहेड पर जारी फोटो युक्त पहचान प्रमाण पत्र, संबंधित राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश द्वारा जारी विशिष्ट विकलांगता पहचान पत्र यूडीआईडी कार्ड विकलांगता चिकित्सा प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, रजिस्ट्रार द्वारा जारी विवाह प्रमाण पत्र, राजपत्र अधिसूचना कानूनी नाम परिवर्तन प्रमाण पत्र, भूमि राजस्व प्रमाण पत्र, भूमि प्रमाण पत्र, किसी देश में व्यक्ति की पहचान बहुत बड़ी मायने रखती है क्योंकि यह नहीं होगी तो कैसे मानव से संबंधित सिस्टम आगे बढ़ेगा? इसलिए आईडेन्टी सिस्टम को बनाना और बनाये रखना भी चुनौती से कम नहीं है। लेखक समझता है कि भारत को एक आईडेन्टी सिस्टम अपना चाहिए जिससे पारदर्शिता, समय, धन की कटौती होगी।

रूसी सिस्टम-प्रणाली में कई घटक शामिल हैं, जिनमें राष्ट्रीय पहचान संख्या (एसएनआईएल), रूसी सरकार इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट की ओर जा रही है जो पारंपरिक कागज दस्तावेजों की जगह लेगी। इस डिजिटलीकरण का उद्देश्य व्यक्तिगत पहचान और डेटा प्रबंधन की दक्षता में सुधार करना है। चीनी रेजिडेंट आई कार्ड, जिसे रेजिडेंट आइडेंटिटी कार्ड पिनयिन भी कहा जाता है, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में व्यक्तिगत पहचान के लिए एक आधिकारिक पहचान दस्तावेज है। 1 अक्टूबर, 1999 से, पीआरसी की स्टेट काउंसिल ने नागरिक पहचान संख्या प्रणाली की स्थापना को मंजूरी दी, और वर्तमान में इसमें 18 अंकों का एक कोड होता है। इस संख्या का कार्य संयुक्त राज्य अमेरिका में सोशल सिक्योरिटी नंबर के समान है। प्रत्येक नागरिक के पास एक अद्वितीय संख्या होती है जो उसके पूरे जीवनकाल में अपरिवर्तित रहती है, और केवल इस संख्या को जानकर ही आप धारक की जन्म तिथि, जन्म स्थान और लिंग के बारे में पता लगा सकते हैं। चाइना के महाशक्ति की ओर बढ़ते कदम में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका समझी जा सकती है। इसी तरह पाकिस्तान में राष्ट्रीय डेटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण (नादरा) द्वारा 120 मिलियन से अधिक कम्प्यूटरकृत राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी किए गए हैं, जो अपनी आइडेंटिटी दस्तावेज सेवाओं का उपयोग करते हुए पाकिस्तानी आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से को दर्शाता है।

आपके पास सरकार द्वारा जारी आईडेन्टी पत्र एक ही संख्या में है तो आपकी इस मामले की नैतिकता नीदरलैंड निवासियों की तरह से पाक-साफ है। अगर एक से अधिक एक पहचान पत्र तो आपकी नैतिकता में संदेह के घेरे में है और आपकी छवि भी संदेह के घेरे में है। दूसरी तरफ अगर सरकार एक से ही नागरिक की एक ही आईडेन्टी बना रही है तो सरकार चलाने वालों की नैतिकता भी संदेह के घेरे में है? इस संदर्भ में आप भी विचार करे क्योंकि आपका विचार ही आपके स्वयं के भविष्य और आपकी पीढ़ी का स्वर्णिम भविष्य है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

नारी शक्ति... न्याय के बीच झूलता लोकतांत्रिक संतुलन

डॉ अशोक कुमार रंगा, राजनेता एवं समाजसेवी

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा "एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य" के सिद्धांत में निहित है। यही वह आधार है जो प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और समान महत्व प्रदान करता है। किंतु जब व्यवहारिक व्यवस्था इस सिद्धांत से भटकने लगे, तब लोकतंत्र की गुणवत्ता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक हो जाता है। आज महिला आरक्षण, जनगणना, परिसीमन और सामाजिक प्रतिनिधित्व को लेकर जो बहस चल रही है, वह केवल एक विधेयक का विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की समग्र संरचना और उसके संतुलन का प्रश्न बन चुकी है।

महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रस्तुत महिला आरक्षण संशोधन विधेयक (131वां संविधान संशोधन) एक ऐतिहासिक अवसर था। इसका उद्देश्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देना था। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 14 प्रतिशत है, जो देश की आधी आबादी के अनुपात में अत्यंत कम है। प्रस्ताव यह था कि लोकसभा की 543 सीटों को बढ़ाकर लगभग 816 किया जाए और इनमें से लगभग 33 प्रतिशत, यानी लगभग 269 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएं। यह परिवर्तन न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता के लिए भी महत्वपूर्ण होता।

यदि यह विधेयक पारित हो जाता, तो 2029 के आम चुनावों में ही महिलाओं का प्रतिनिधित्व 14 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत तक पहुंच सकता था। लेकिन संसद में यह विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत के अभाव में पारित नहीं हो सका। परिणामस्वरूप महिलाओं को मिलने वाला यह अधिकार फिलहाल टल गया और अब इसके 2034 तक खिसकने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

यह विषय केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है। संसदीय सीटों की संख्या बढ़ने का सीधा लाभ अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग को भी मिलना था। वर्तमान में इन वर्गों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या सीमित है, क्योंकि कुल सीटों की संख्या 543 पर स्थिर है। यदि सीटों की संख्या 816 तक बढ़ती, तो उसी अनुपात में एससी और एसटी वर्ग के लिए आरक्षित सीटों में भी वृद्धि होती। इससे इन वर्गों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व मजबूत होता और सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम उठता।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग ऐतिहासिक रूप से सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से वंचित रहे हैं। संविधान निर्माताओं ने इस असमानता को दूर करने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की थी, ताकि इन वर्गों को समान अवसर मिल सके। संसद और विधानसभाओं में इनका प्रतिनिधित्व केवल राजनीतिक भागीदारी का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक आवश्यक साधन है। ऐसे में सीटों की संख्या बढ़ने से इन वर्गों को मिलने वाला अतिरिक्त प्रतिनिधित्व एक सकारात्मक परिवर्तन ला सकता था। लेकिन महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के पारित न होने से यह पूरा लाभ भी फिलहाल टल गया है। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या इस निर्णय से इन वर्गों की अपेक्षाओं को भी आघात नहीं पहुंचा है?

इस पूरे विषय को समझने के लिए वर्तमान संसदीय संरचना की असमानता को देखना आवश्यक है। आज लोकसभा की 543 सीटें 1971 की जनगणना के आधार पर निर्धारित हैं। पिछले पांच दशकों में देश की जनसंख्या में भारी वृद्धि हुई है, लेकिन प्रतिनिधित्व का ढांचा उसी अनुपात में अद्यतन नहीं हुआ। इसका परिणाम यह है कि आज संसदीय क्षेत्रों के बीच मतदाताओं की संख्या में भारी असंतुलन देखने को मिलता है।

देश में लगभग 127 संसदीय क्षेत्र ऐसे हैं, जहाँ 20 लाख से अधिक मतदाता हैं। इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के बीच एक सांसद का प्रभावी संवाद स्थापित करना कठिन हो जाता है और जनसमस्याओं का समाधान भी प्रभावित होता है। इसके विपरीत, कुछ संसदीय क्षेत्र ऐसे भी हैं जहाँ मतदाताओं की संख्या मात्र 60 हजार तक सीमित है। यह स्थिति लोकतंत्र के उस मूल सिद्धांत को कमजोर करती है, जिसमें हर वोट की समान कीमत होनी चाहिए।

इसी असमानता को दूर करने के लिए परिसीमन आवश्यक है, लेकिन यह प्रक्रिया लंबे समय तक फ्रीज रखी गई। अब जब यह विषय पुनः चर्चा में है, तो यह केवल सीटों के पुनर्वितरण का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक संतुलित और प्रभावी बनाने का प्रयास है। जनगणना इस पूरी प्रक्रिया की आधारशिला है। 2021 की जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण नहीं हो सकी, लेकिन अब 2026 की जनगणना आरम्भ हो चुकी है। यह जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी और दूसरे चरण में जातीय जनगणना भी की जाएगी, जिसका निर्णय कैबिनेट द्वारा 2025 में लिया जा चुका है। वर्तमान में यह प्रक्रिया जारी है, लेकिन ओबीसी वर्ग की महिलाओं की विस्तृत गणना अभी शेष है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इन आंकड़ों के आधार पर ही संसद में अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

इस विषय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी महत्वपूर्ण है। 1951 और 1971 की जनगणना के दौरान जातीय जनगणना का विरोध हुआ था। 1957 में काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट आई, लेकिन उसे लागू नहीं किया गया। 1980 में मंडल आयोग की रिपोर्ट आई, जिसे भी तत्काल लागू नहीं किया गया और अंततः 1990 में वी. पी. सिंह सरकार ने इसे लागू किया। यह इतिहास दर्शाता है कि सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दे हमेशा समय और सहमति की प्रक्रिया से गुजरते रहे हैं।

यदि वर्तमान प्रक्रिया के अनुसार पहले जनगणना, फिर परिसीमन और उसके बाद आरक्षण लागू किया जाता है, तो यह पूरा चक्र 2030 के बाद ही पूरा होगा। इसका अर्थ है कि महिलाओं के साथ-साथ एससी और एसटी वर्ग को मिलने वाला अतिरिक्त प्रतिनिधित्व भी 2034 तक टल जाएगा।

(यह लेखक के निजी विचार है)

विद्यालय से विश्वविद्यालय तक: पत्रकारिता शिक्षा क्यों है अधूरी?

अनिल कुमार यादव
(सहायक प्राध्यापक खेल विश्वविद्यालय हरियाणा, राई।)

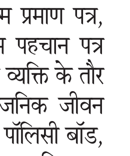

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में पत्रकारिता को "चौथा स्तंभ" कहा जाता है, लेकिन विडंबना यह है कि इसकी शिक्षा आज भी विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय तक पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाई है। स्कूल स्तर पर छात्रों को भाषा, लेखन और सामान्य ज्ञान तो सिखाया जाता है, परंतु संवाद, सूचना विश्लेषण, मीडिया साक्षरता और खबरों की समझ जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को व्यवस्थित रूप से पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप, जब विद्यार्थी विश्वविद्यालय स्तर पर पत्रकारिता और जनसंचार की पढ़ाई में प्रवेश करते हैं, तो उनके पास न तो बुनियादी समझ होती है और न ही व्यावहारिक कौशल, जिससे यह शिक्षा अधूरी और असंतुलित प्रतीत होती है।

पत्रकारिता शिक्षा की यह कमी अन्य विषयों से इसके अपर्याप्त समन्वय के कारण भी है। उदाहरण के लिए, राजनीति विज्ञान से जुड़कर पत्रकारिता लोकतंत्र, शासन और नीतियों की गहरी समझ विकसित कर सकती है; समाजशास्त्र के साथ यह सामाजिक संरचना, असमानता और सांस्कृतिक विविधता को बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर सकती है; अर्थशास्त्र से जुड़कर यह आर्थिक नीतियों, बाजार और विकास के मुद्दों को आम जनता तक सरल भाषा में पहुंचा सकती है; वहीं विज्ञान और तकनीक के साथ इसका संबंध विज्ञान संचार, डिजिटल मीडिया और फेक न्यूज की पहचान में अत्यंत उपयोगी हो सकता है। इसके बावजूद, अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में पत्रकारिता को एक स्वतंत्र विषय के रूप में सीमित कर दिया जाता है, जिससे इसकी व्यापक संभावनाएं सिमट जाती हैं।

आज के डिजिटल युग में, जब सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म सूचना के प्रमुख स्रोत बन चुके हैं, पत्रकारिता शिक्षा का महत्व अन्य विषयों की तुलना में कहीं अधिक बढ़ गया है। यह केवल खबर लिखने या रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिकों को जागरूक, तार्किक और जिम्मेदार बनाने का कार्य भी करती है। इसलिए यह आवश्यक है कि पत्रकारिता को विद्यालय स्तर से ही एक अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया जाए, ताकि छात्रों में प्रारंभ से ही विश्लेषणात्मक सोच, अभिव्यक्ति कौशल और मीडिया की समझ विकसित हो सके।

विश्वविद्यालयों में भी पत्रकारिता शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, बहुविषयक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की आवश्यकता है। केवल सैद्धांतिक ज्ञान देने के बजाय, छात्रों को फील्ड वर्क, इंटर्नशिप, न्यूज़रूम अनुभव और डिजिटल टूल्स के प्रयोग पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए। साथ ही, प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय में अन्य विषयों के साथ पत्रकारिता के समन्वित पाठ्यक्रम लागू किए जाने चाहिए, ताकि विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में विशेषज्ञता के साथ प्रभावी संचारक भी बन सकें।

यदि हम एक जागरूक और सशक्त समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो पत्रकारिता शिक्षा को विद्यालय से विश्वविद्यालय तक एक मजबूत और समग्र ढांचे में विकसित करना होगा। यह केवल एक विषय नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाली शक्ति है, जिसे अन्य विषयों से जोड़कर और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

न्यूज ब्रीफ

बालेन शाह को झटका 26 दिन के अंदर गृह मंत्री ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली » सुदन गुरुंग ने फेसबुक पर अपने इस्तीफे की घोषणा की। गुरुंग ने कहा- उन्होंने जनता की आलोचना को गंभीरता से लिया है। सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने इस्तीफा देते हुए लिखा- मैं, सुदन गुरुंग, चैत्र 13, 2082 (26 मार्च, 2026) से गृह मंत्री के रूप में पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर रहा हूं। हाल ही में, मैंने अपने शेयरों और संबंधित मामलों को लेकर नागरिकों द्वारा उठाए गए सवालों, टिप्पणियों और सार्वजनिक चिंताओं को बहुत गंभीरता से लिया है।

बर्लिन में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह: दुनिया की जंग रोकेगा भारत

नई दिल्ली » राजनाथ सिंह के अनुसार, दुनिया के बड़े संघर्षों, खासकर वेस्ट एशिया (मिडल ईस्ट) संकट को सुलझाने में भारत आने वाले समय में और भी बड़ी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने साफ किया कि भारत शांति की कोशिशें कर रहा है और भविष्य में इसमें बड़ी कामयाबी मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। राजनाथ सिंह ने बताया कि जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) जैसे तनावपूर्ण समुद्री रास्ते से किसी भी देश के जहाज नहीं निकल पा रहे थे, तब भारतीय कूटनीति की वजह से हमारे 7-8 जहाज वहां से सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे।

होर्मुज का 'खतरनाक मिशन' पूरा...

31 चालक दल के सदस्यों संग मुंबई पहुंचा टैंकर 'देश गरिमा'

नई दिल्ली » अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे टकराव के बीच, भारतीय कच्चे तेल का टैंकर 'देश गरिमा' रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़' से गुज़रने के बाद सुरक्षित रूप से भारतीय जलक्षेत्र में पहुँच गया है। कच्चे तेल की भारी खेप ले जा रहा यह जहाज़, फ़िलहाल मुंबई के तट से कुछ नॉटिकल मील की दूरी पर लंगर डाले खड़ा है। यह 18 अप्रैल को होर्मुज़ क्षेत्र से रवाना हुआ था और इस संकरे जलमार्ग से गुज़रते समय कथित तौर पर ईरान के 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) की गोलीबारी की चपेट में आने के बावजूद इसने अपनी यात्रा जारी रखी। भारतीय ध्वज फहरा रहे इस टैंकर पर 31 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार हैं। इसके सुरक्षित आगमन को एक बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में व्यवधान और ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर जताई जा रही चिंताओं के बीच।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वार्ता पूरी

कृषि क्षेत्र फिर बना अड़चन, अमेरिका ने भारत को बताया कठिन साझेदार

एजेंसी » नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच चुकी है। वाशिंगटन में हाल ही में हुई उच्चस्तरीय वार्ताओं के बाद दोनों देशों ने संकेत दिए हैं कि अधिकांश मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और अब केवल कुछ जटिल विषयों पर अंतिम समाधान बाकी है। भारत और अमेरिका के बीच यह समझौता आर्थिक संबंधों को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। हालांकि अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने भारत को एक कठिन देश बताते हुए कहा कि भारतीय कृषि क्षेत्र लंबे समय से संरक्षित रहा है, जिससे बातचीत में चुनौतियां आती हैं। उन्होंने अमेरिकी संसद की समिति के समक्ष कहा कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोलने में सतर्क है, हालांकि कुछ क्षेत्रों में

सहमति की संभावना भी दिखाई दे रही है। खास तौर पर पशु आहार में उपयोग होने वाले उत्पादों जैसे डीडीजीएस पर बातचीत जारी है।

इस वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने किया जबकि अमेरिकी पक्ष का नेतृत्व ब्रेंडन लिंच के हाथ में रहा। तीन दिन तक चली इस बैठक में समझौते के बारीक पहलुओं पर चर्चा की गई। हम आपको याद दिला दें कि दोनों देशों ने इस वर्ष फरवरी में समझौते का प्रारूप जारी किया था, जिसमें पारस्परिक लाभ और व्यापार विस्तार पर जोर दिया गया था। भारत इस समझौते के तहत अमेरिकी बाजार में विशेष पहुंच चाहता है। दोनों देशों का लक्ष्य वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को पांच सौ अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इस दिशा में शुल्क में कमी एक प्रमुख मुद्दा है। अमेरिका ने पहले भारतीय उत्पादों पर लगाए गए ऊंचे शुल्क को घटाने पर सहमति जताई थी, जिससे व्यापार को गति मिल सकती है।

इस बीच, अमेरिकी नीतियों में आए बदलावों ने भी इस समझौते को प्रभावित किया है। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए पारस्परिक शुल्क यानि टैरिफ को असंवैधानिक करार दिया था। इसके बाद भारत अब नए वैश्विक शुल्क ढांचे के अनुसार समझौते में संशोधन करने की कोशिश कर रहा है, ताकि उसके हित सुरक्षित रह सकें। हम आपको यह भी बता दें कि व्यापार वार्ता के समानांतर एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिका ने उन शुल्कों को वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है जो पहले आपातकालीन कानून के तहत लगाए गए थे।

F-22 से खतरनाक रूस का एसयू-57 एम1, खरीदेगा भारत...

नई दिल्ली » भारत और रूस के बीच Sukhoi SU 57 डील की चर्चा है और खास बात इसका एडवांस वेरिएंट एम1 अब रिपोर्ट क्या कहती है वो जान लीजिए। दरअसल डिफेंस पोर्टल मिलिट्री वॉच मैगज़ीन के मुताबिक भारत और रूस के बीच लाइसेंस प्रोडक्शन को लेकर बातचीत हुई है। एडवांस स्टेज पर यह बातचीत पहुंच चुकी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत लगभग 100 से ज्यादा एसयू 57 खरीदने की योजना पर विचार कर रहा है। लेकिन अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है और भारत तक भी इसकी पुष्टि नहीं करता। मिलिट्री वॉच मैगजीन के हवाले से ये बात सामने आई है। नए फाइटर जेट्स की तुरंत ज़रूरत है। हालांकि भारत खुद का स्टील फाइटर भी बना रहा है। लेकिन इसे ऑपरेशनल होने में समय लगेगा इसलिए एक इंट्रिम सॉल्यूशन की जरूरत है।

यूक्रेन के 'स्काई मैप' से सजेगा सऊदी अरब का रक्षा कवच

नई दिल्ली » खास बात यह है कि इस तकनीक को चलाने के लिए

यूक्रेनी एक्सपर्ट्स खुद अमेरिकी सैनिकों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। यह वही सिस्टम है जिसने रूस-यूक्रेन जंग में ईरानी 'शाहेद' ड्रोनों को नाकाम करने में बड़ी सफलता हासिल की है। यह कदम प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर हुए लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद उठाया गया है।

ईरान से करीब 400 मील दूर स्थित इस बेस पर हुए हमलों में अमेरिकी बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा था और एक अमेरिकी सर्विस मेंबर की जान भी चली गई थी। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका अब यूक्रेन की उस काबिलियत का फायदा उठा रहा है जिसे उसने युद्ध के मैदान में परखा है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सस्ते और भारी तादाद में आने वाले ड्रोनों को रोकने में अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम में जो कमियां थीं, उन्हें अब यह यूक्रेनी तकनीक पूरा करेगी।

लंदन में मीटिंग, ब्रिटेन-फ्रांस करेंगे लीड

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने को 30 से ज्यादा देशों के मिलिट्री प्लानर्स तैयार

एजेंसी » नई दिल्ली

इस बैठक में 30 से ज्यादा देशों के मिलिट्री प्लानर्स शामिल होकर इसे फिर से चालू करने का पूरा प्लान तैयार करेंगे। पिछले हफ्ते यूरोप, एशिया और मिडिल ईस्ट के लगभग 50 देशों के बीच एक वीडियो कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसके बाद ब्रिटेन और फ्रांस के नेतृत्व में इस अंतरराष्ट्रीय मिशन को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी।

» **सुरक्षा के लिए ब्लूप्रिंट होगा तैयार:** ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि लंदन में होने वाली इस मीटिंग का मकसद पिछले हफ्ते हुई बातचीत को आगे बढ़ाना है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने कहा है कि आज और कल का मुख्य काम डिप्लोमैटिक सहमति को एक ठोस मिलिट्री प्लान में बदलना है। इससे समुद्र में जहाजों के आने-जाने की आजादी सुरक्षित होगी और लंबे समय तक युद्धविराम (सीजफायर) को सपोर्ट मिलेगा। इस मीटिंग में सेना की क्षमता, कमांड सिस्टम और सैनिकों की तैनाती कैसे होगी, इस पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

» **ईरान का पलटवार :** ईरान ने ट्रंप के इस कदम को महज एक चाल बताया है। ईरान की संसद के अध्यक्ष के सलाहकार मेहदी मोहम्मदी का कहना है कि ट्रंप की ओर से बढ़ाया गया युद्धविराम उनके लिए कोई मायने नहीं रखता। मोहम्मदी ने कहा कि घेराबंदी जारी रखना बमबारी जैसा ही है और इसका जवाब मिलिट्री एक्शन से दिया जाना चाहिए। वहीं, 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा फिलहाल टल गई है। उन्हें वहां ईरान के साथ दूसरे दौर की बातचीत करनी थी, लेकिन ईरान की ओर से अमेरिकी प्रस्तावों पर कोई जवाब नहीं आने के कारण यह फैसला लिया गया है।

युद्धविराम का समय बढ़ाया ट्रंप ने...

इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट लिखकर बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अपील पर यह फैसला लिया है। ट्रंप का मानना है कि ईरान की सरकार अभी अंदरूनी तौर पर काफी बिखरी हुई है, इसलिए उन्हें बातचीत के लिए एक सॉलिड प्रपोजल तैयार करने का मौका दिया जाना चाहिए। हालांकि, ट्रंप ने साफ किया है कि अमेरिकी सेना की घेराबंदी जारी रहेगी और वे किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

अभिषेक शर्मा 7वीं बार बने प्लेयर ऑफ द मैच, भुवनेश्वर का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली » सनराइजर्स हैदराबाद के बैटर अभिषेक शर्मा ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेले गए मैच में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने भुवेश्वर कुमार को पीछे छोड़ते हुए फ्रेंचाइजी के इतिहास में किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। अभिषेक शर्मा ने 21 अप्रैल को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलते हुए 68 गेंदों में 10 चौकों और 10 छक्कों की मदद से 135 रन बनाए और अंत तक आउट नहीं हुए। अभिषेक शर्मा ने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से रन बनाया था।

क्या जल्दी ही आईपीएल में वापसी करेंगे धोनी, प्रैक्टिस में आए नजर

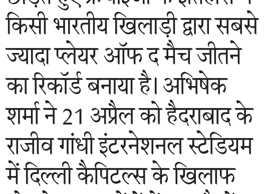

नई दिल्ली » क्या महेंद्र सिंह धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले जाने वाले हाई वोल्टेज मैच में वापसी करेंगे? यह सवाल इसलिए पूछा जा रहा है क्योंकि चेन्नई के लिए यह मैच आईपीएल की रेस में बने रहने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को हराकर मुंबई के हौसले बुलंद हैं। प्रैक्टिस सेशन में विकेटकीपिंग करते नजर आए महेंद्र सिंह धोनी? मुंबई के पूर्व क्रिकेटर आदित्य तारे ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि धोनी आमतौर पर प्रैक्टिस सेशन के दौरान खुद को बैटिंग या हल्की ड्रिल तक ही सीमित रखते हैं, लेकिन वे विकेट कीपिंग ग्लव्स, पैड और हेलमेट पहने हुए नजर आ रहे थे।

टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने पर गिल की दो टूक

मुझे किसी को कुछ साबित नहीं करना: शुभमन गिल

एजेंसी » नई दिल्ली

शुभमन गिल ने आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग को लेकर बयान दिया। जिसमें गिल ने कहा कि उनकों किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। गिल को 2026 टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। संजू सैमसन को टॉप ऑर्डर में जगह देने के लिए यह फैसला लिया गया था। इस बार भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड तीसरी बार वर्ल्ड कप का खिताब जीता।

» **विश्व कप टीम से अनदेखी पर गिल का सीधा जवाब...** टी20 विश्व कप से पहले गिल भारतीय टीम के उप-कप्तान थे। लेकिन टीम संयोजन के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। सत्र शुरू होने से पहले एक संवाददाता सम्मेलन में जब इस सलामी बल्लेबाज से पूछा गया कि क्या विश्व कप में नजरअंदाज किए जाने के बाद उन्हें कुछ साबित करना है। इस सवाल का गिल ने बेहद बेबाकी से जवाब दिया और

सारी स्थिति साफ कर दी।

» **गिल का आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने का दावा...** गिल ने कहा कि अगर पिछले तीन-चार सीजन को देखें तो आईपीएल में उनके सबसे ज्यादा रन हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सत्र में उन्हें किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। गिल का मानना है कि पिछले चार साल में उनकी टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और एक बल्लेबाज के रूप में उनका अपना व्यक्तिगत प्रदर्शन भी काफी शानदार रहा है।

» **लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज गिल...** कप्तान गिल आईपीएल में लगातार रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हैं। उनके आंकड़े इस बात को पूरी तरह सही साबित करते हैं। उन्होंने पिछले आईपीएल सीजन में 650 रन बनाए थे। उससे पहले वाले सीजन में उनके बल्ले से 426 रन निकले थे। वहीं साल 2023 के सत्र में उन्होंने 890 रन का बड़ा स्कोर बनाया था। यह आंकड़े उनके बेहतरीन फॉर्म को दिखाते हैं।

» **गुजरात टाइटंस को फिर से चैंपियन बनाने का लक्ष्य...** अपनी आगे की रणनीति पर गिल ने कहा कि उन्हें बस वही करना है जो वह पिछले चार साल से कर रहे हैं। उनका मानना है कि टीम को मैदान पर लगातार अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना होगा। अगर पूरी टीम इसी तरह एकजुट होकर खेलती रही, तो निश्चित रूप से गुजरात टाइटंस एक बार फिर आईपीएल की ट्रॉफी जीतेगी। शुभमन गिल ने साल 2024 से हार्दिक पंड्या की जगह आईपीएल में कप्तानी संभाली थी। गुजरात टाइटंस ने साल 2022 में आईपीएल में अपना डेब्यू किया था और पहले ही साल ट्रॉफी जीतकर अपना नाम कमाया था।

टेनिस जगत में धूम मचाने को तैयार है स्पेन का एक और 'राफा'

नई दिल्ली » विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ की उम्र केवल 22 वर्ष है, लेकिन उनके देश स्पेन में प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी के बारे में पहले से ही चर्चा हो रही है। इनमें से सबसे चर्चित नाम उस खिलाड़ी का है जिनका पहला नाम सर्वकालिक महान खिलाड़ी राफेल नडाल के समान है। यह खिलाड़ी है 19 वर्षीय राफेल होदार, जो रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाने से स्पेन और पूरे टेनिस जगत में सुर्खियां बटोर रहे हैं।

होदार को नडाल की तरह 'राफा' उपनाम से भी जाना जाता है। वह मैड्रिड ओपन में अपने पदार्पण से ठीक पहले शीर्ष 50 में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। एक और होनहार खिलाड़ी 20 वर्षीय मार्टिन लैंडालुस हैं, जिन्होंने हाल में पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई है। अल्काराज़ के कलाई में चोट के कारण नाम वापस लेने के बाद मैड्रिड ओपन में यह दोनों दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक होंगे।

आईसीसी के सीईओ ने दी अहम जानकारी

ओलंपिक गेम्स के लिए क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास

नई दिल्ली » क्रिकेट के ओलंपिक में शामिल होने के बाद क्रिकेट फैंस काफी उत्साहित हैं। वहीं आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने इसे लेकर अब बड़ी जानकारी दी है। दरअसल, संजोग गुप्ता ने बताया है कि 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिता लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के होम ग्राउंड पर आयोजित की जाएगी। बता दें कि, लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स आईपीएल की केकेआर फ्रेंचाइजी की सिस्टर फ्रेंचाइजी है। इस दौरान संजोग गुप्ता ने कहा कि, ये इतिहास का एक अहम पल है क्योंकि आज हम जिस चीज की नींव रख रहे हैं वह सिर्फ एक क्रिकेट मैदान नहीं है। हम एक वादे की नींव रख रहे हैं। एक ऐसा वादा जिसे पूरा करने में 128 साल लगे।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने क्रिकेट को लॉस एंजिलिस खेलों में शामिल करने की मंजूरी दी है और गुप्तान ने कहा है कि इससे इस खेल के बढ़ते प्रभाव का पता चलता है। उन्होंने कहा कि, दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल इतने लंबे समय से ओलंपिक मंच से गायब रहा। जब

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में क्रिकेट को शामिल करने की औपचारिक मंजूरी दी तो ये केवल घोषणा मात्र नहीं थी। इससे इस बात का पता चलता है कि ओलंपिक में उन खेलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिन्हें अरबों लोग पसंद करते हैं। संजोग गुप्ता ने पोमोना स्थिति क्रिकेट स्थल का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी विरासत इसे क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है। उन्होंने कहा कि इस वादे को पूरा करने के लिए पोमोना से बेहतर किसी अन्य जगह के बारे में मैं सोच भी नहीं सकता। खेल जगत में सबसे अच्छी चीजें तब होती हैं जब महत्वाकांक्षा औऱ समुदाय का मिलन होता है। पोमोना में ये दोनों ही मौजूद हैं। ये स्थल अब एक ऐसे खेल की मेजबानी करेगा जो अपने मूल में ही समुदाय से जुड़ा हुआ है।

हर मैच से पहले कार्टून देखते हैं वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली » लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर राजस्थान रॉयल्स की टीम बहुत खुश है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब टीम का प्ले ऑफ में जाना लगभग तय हो गया है। मैच से पहले टीम के सबसे युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने बताया कि वे हर मैच से पहले कार्टून शो देखते हैं, क्योंकि उन्हें इसकी आदत है। राजस्थान रॉयल्स के इंस्टाग्राम हैंडल से एक बहुत ही रोचक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें वैभव सूर्यवंशी भोजपुरी बोलते नजर आ रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी से भोजपुरी कमेंटेटर यह पूछते हैं कि जिस उम्र में लोग कार्टून देखते हैं, उस उम्र में आप गेंदबाजों के गेंद का कार्टून बना रहे हैं, आपके दिमाग में क्या चलता है। इस सवाल के जवाब में वैभव कहते हैं कि दिमाग में कुछ नहीं चलता है। आज भी मैच से पहले हम कार्टून देखते हैं, क्योंकि आदत है, लेकिन फोकस गेम पर होता है। वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि पूरी टीम की यही योजना है कि हम अगला मैच जीते और दो प्वाइंट लेकर प्ले ऑफ की तरफ बढ़ें। हालांकि लखनऊ के साथ मैच में वैभव का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, लेकिन टीम एफर्ट से राजस्थान की टीम जीत गई।

संजय बंगर ने दी सलाह- पैट कमिंस की वापसी पर भी ईशान किशन करें कप्तानी

एजेंसी » नई दिल्ली

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस अभी तक मौजूदा आईपीएल 2026 में नहीं खेले हैं। वे अभी भी कमर की चोट से उबर रहे हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने पुष्टि की है कि वे 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हैदराबाद के आगामी मैच के लिए तैयार हैं। उनकी अनुपस्थिति में, ईशान किशन ने टीम की कप्तानी की और सराहनीय प्रदर्शन किया है, जिसके चलते हैदराबाद फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने मिसाल कायम करते हुए कप्तानी की है और इसी के आधार पर

पूर्व क्रिकेटर संजय बंगर का मानना है कि अगर कमिंस वापस भी आ जाते हैं, तो भी किशन को ही कप्तानी जारी रखनी चाहिए। इस बारे में विस्तार से बताते हुए बंगर ने कहा कि विकेटकीपर - बल्लेबाज गेंदबाजों को समझने और बीच के ओवरों में उनका सही इस्तेमाल करने में माहिर हैं। उन्होंने किशन की खेल पर नियंत्रण रखने की क्षमता की भी सराहना की और कहा कि चोट की चिंताओं को देखते हुए उन्हें यकीन नहीं है कि कमिंस बाकी बचे सीजन में खेल पाएंगे या नहीं। बांगर ने जियोस्टार के मैच सेंटर लाइव पर कहा कि ईशान किशन एक कप्तान के तौर पर गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के मामले में रणनीतिक रूप से बहुत कुशल हैं। उन्हें पता है कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का इस्तेमाल करना है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वह खेल पर कितना अच्छा नियंत्रण रखते हैं। वह घबराए हुए नहीं दिखते, जल्दबाजी नहीं करते और मैदान पर सही फैसले लेते हैं। डीसी के खिलाफ जिस तरह से उन्होंने स्पिनरों का इस्तेमाल किया, वह प्रभावशाली था।

लॉरियस अवॉर्ड्स: मेड्रिड में कार्लोस अल्कराज बने सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

नई दिल्ली » मेड्रिड में खेल जगत की एक भव्य शाम देखने को मिली, जहां

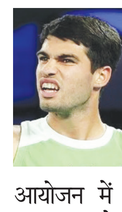

दुनिया के कई बड़े खिलाड़ी एक मंच पर नजर आए। लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार के इस प्रतिष्ठित आयोजन में टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी। बता दें कि कार्लोस अल्कराज को पहली बार वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के खिताब से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ियों लुइस फिगो और इकर कैसिलस के हाथों मिला, जो इस सम्मान को और खास बनाता है।

कोहली के नाता तोड़ते ही कर्ज में डूबा वन8 कम्यून, कोर्ट के आदेश के बाद लगा ताला

एजेंसी » नई दिल्ली

विराट कोहली के नाम से जाना जाने वाला बेंगलुरु का चर्चित वन8 कम्यून रेस्टोरेंट पर आखिरकार ताला लग गया है। शहर के सिविल कोर्ट के आदेश के बाद इस आउटलेट को बंद कर दिया गया, क्योंकि मालिकों पर 2 करोड़ से ज्यादा का बकाया किराया और अन्य भुगतान लंबित था।

हालांकि, विराट कोहली इस रेस्टोरेंट से खुद को पूरी तरह अलग कर चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, कोहली ने न सिर्फ अपनी साझेदारी खत्म की बल्कि अपने ब्रांड One8 का नाम भी इस आउटलेट से हटा

लिया है। रेस्टोरेंट का संचालन ट्रायो हिल्स हॉस्पिटैलिटी कर रही थई, जिसने करीब 6 महीने से किराया नहीं चुकाया था। इसके अलावा मेंटेनेंस चार्ज जिसके बाद कोर्ट ने रेस्टोरेंट को बंद करने का आदेश दिया।

ये आउटलेट पहले भी नियमों के उल्लंघन को लेकर विवादों में रहा था। बेंगलुरु महानगर पालिका ने फायर सेफ्टी और अन्य नियमों को लेकर कई बार नोटिस जारी किए थे। सूत्रों के अनुसार, इन्हीं मुद्दों औऱ बार-बार की शिकायतों के चलते कोहली ने खुद को इस प्रोजेक्ट से दूर कर लिया।

नया प्रोजेक्ट

रिश्तेदारों को लेकर कही हैरान करने वाली बात

मेधा शंकर को अब नहीं आते शादी के प्रपोजल

मेधा शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अरेंज मैरिज और रिश्तों की कहानी दिखाई जाएगी। इसी सिलसिले में एक इंटरव्यू के दौरान मेधा ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक ऐसा सच बताया है, जिसे सुनकर उनके फैंस हैरान रह गए हैं। मेधा ने खुलासा किया है कि आखिर क्यों अब उन्हें शादी के प्रपोजल मिलना बंद हो गए हैं।

» **कामयाबी के बाद क्यों नहीं आ रहे शादी के रिश्ते?** एक इंटरव्यू में मेधा ने बताया कि '12th फेल' हिट होने के बाद और नेशनल क्रश बनने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। पहले उनके रिश्तेदार अक्सर शादी की बातें करते थे और नए-नए रिश्ते लेकर आते थे। लेकिन अब फेम मिलने के बाद रिश्तेदारों ने रिश्ते लाना बंद कर दिया है। एक्ट्रेस ने कहा 12वीं फेल के बाद मेरी लाइफ में सबकुछ बदल गया। रिश्तेदारों को लगने लगा कि मेरा करियर कहीं न कहीं आगे बढ़ रहा है। इसलिए अब कोई भी मेरे लिए शादी के रिश्ते नहीं लाता।

» **एक्टिंग को सिर्फ शौक मानते थे रिश्तेदार...** मेधा ने कहा, 'पहले वो बार-बार इस बारे में बात करते थे। उन्हें नहीं लगता था कि मैं अपने करियर में सक्सेसफुल हो पाऊंगी। उन्हें लगता था कि एक्टिंग सिर्फ मेरा शौक है और चार साल के बाद मैं घर वापस लौट जाऊंगी

» **पापा का सपोर्ट और शादी पर मेधा की सोच...** मेधा के परिवार हमेशा उनके सपोर्ट में रहता है और शादी को लेकर प्रेशर क्रिएट नहीं करता है। मेधा ने कहा, 'मेरे पापा ने कभी भी शादी को लेकर मेरे ऊपर दवाब नहीं बनाया। मैं इस मामले में खुद को लकी मानती हूं। हां, वो इतना जरूर कहते हैं कि सही समय पर और सही इंसान से शादी कर लेना। वो समझते हैं कि फिलहाल मेरा काम ज्यादा जरूरी है। अभी शादी में वक्त है, लेकिन आगे चलकर मैं शादी जरूर करूंगी।

अमिताभ बच्चन और प्रियंका चोपड़ा हुए मुरीद

पूरी दुनिया में नंबर 1 बनी विजय वर्मा की नई सीरीज 'मटका किंग'

विजय वर्मा की नई वेब सीरीज 'मटका किंग' इस समय हर तरफ छाई हुई है। इस सीरीज में विजय वर्मा की एक्टिंग इतनी दमदार है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। आमिर खान, विक्की कौशल और करण जौहर जैसे बड़े सितारों ने तो पहले ही इस शो को जबरदस्त बताया था, लेकिन अब इस लिस्ट में बॉलीवुड के 'शहंशाह' अमिताभ बच्चन ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा का नाम भी जुड़ गया है। आइए आपको बताते हैं कि इन सुपरस्टार्स ने 'मटका किंग' को लेकर क्या कहा है और कैसे इसकी तारीफ की है।

» **अमिताभ बच्चन ने दीं शुभकामनाएं...** अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया (X हैंडल) पर 'मटका किंग' का ट्रेलर शेयर किया। उन्होंने टीम को बधाई देते हुए लिखा, "मेरी शुभकामनाएं हमेशा आपके साथ हैं।"

» **प्रियंका चोपड़ा और राजकुमार हिरानी भी हुए एक्साइटेड...** अमिताभ बच्चन के बाद अब प्रियंका चोपड़ा ने भी 'मटका किंग' की टीम को जीत की बधाई दी है। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए पूरी टीम को शाबाशी दी। इतना ही नहीं, मशहूर डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने भी इस पर अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसी कहानी है जिसे सुनते हुए हम सब बड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे इस शो को देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं.

» **दुनिया भर में बज रहा है डंका...** विजय वर्मा का यह जादू सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। 'मटका किंग' इस समय भारत और दुबई (UAE) दोनों देशों में नंबर 1 पर चल रही है। सबसे बड़ी और गर्व की बात यह है कि पूरी दुनिया की 'टॉप 10' सीरीज की लिस्ट में यह इकलौती भारतीय सीरीज है, जो 8वें नंबर पर अपनी जगह बनाए हुए है।

क्या है 'मटका किंग' की कहानी?

यह कहानी हमें 1960 के दशक की पुरानी मुंबई में ले जाती है। विजय वर्मा ने इसमें 'बृज भट्टी' नाम के एक चालाक आदमी का रोल किया है जो रुई (कपास) का छोटा सा व्यापार करता है। वह समाज में इज्जत और नाम कमाना चाहता है। एक छोटे से आइडिया से शुरू हुई यह कहानी कैसे पूरे शहर में फैल जाती है और कैसे इसमें ताकत और पैसे का खेल शुरू होता है, यही इस सीरीज में बहुत ही रोमांचक तरीके से दिखाया गया है। इसे मशहूर डायरेक्टर नागराज मंजुले ने बनाया है।

कपिल शर्मा-रिद्धिमा कपूर की फिल्म

'दादी की शादी' का ट्रेलर रिलीज दिखा कॉमेडी का असली तड़का

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा और एक्ट्रेस नीतू कपूर की मच-अवेटेड फिल्म 'दादी की शादी' का धमाकेदार ट्रेलर आज रिलीज कर दिया गया है। फिल्म का ट्रेलर मस्ती, इमोशन्स और कॉमेडी का ऐसा तड़का है, जो दर्शकों को लोटपोट करने के लिए तैयार है। मेकर्स ने इस ट्रेलर के जरिए एक ऐसी कहानी पेश की है, जिसमें हंसी के साथ-साथ परिवार का प्यार भी नजर आ रहा है।

» **ट्रेलर में दिखा मस्ती और हंगामे का डोज...** ट्रेलर में दिखाया गया है कि नीतू कपूर दादी की उम्र में शादी करना चाहती हैं, जिससे पूरी कहानी और दिलचस्प बन जाती है। अब ट्रेलर को देखकर साफ लग रहा है कि यह एक बेहतरीन फैमिली एंटरटेनर फिल्म होगी। इसमें रोमांस के साथ-साथ जबरदस्त कॉमेडी भी देखने को मिल रही है। फिल्म का निर्देशन आशीष आर। मोहन ने किया है। खास बात यह है कि इस फिल्म में नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी और एक्ट्रेस सादिया खतीब भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। पूरी स्टारकास्ट ने फिल्म में अपनी एक्टिंग से जान फूंक दी है।

» **रिद्धिमा कपूर के लिए क्यों इमोशनल है यह सफर?** रिद्धिमा कपूर साहनी इस फिल्म के जरिए एक नया अनुभव साझा कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि इस फिल्म की शूटिंग उनके लिए बहुत यादगार रही। लगभग 52 दिनों तक चली शूटिंग के दौरान सेट पर मौजूद 200 लोगों के साथ उनका गहरा रिश्ता बन गया। एक्ट्रेस ने लिखा, पहली बार का अनुभव हमेशा खास होता है। रिद्धिमा ने आगे लिखा, '52 दिनों तक 200 से ज्यादा लोग मिलकर इस मजेदार और खूबसूरत फिल्म को बनाने में लगे रहे। हमने साथ में योजना बनाई, डांस किया, हंसे, रोए और रोते-रोते हंसे। अब मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि यह फिल्म आप सबके सामने आए और आप भी इस जश्न में शामिल हों'

» **सेट पर दिखी कलाकारों की बॉन्डिंग...** फिल्म के कलाकार विधान शर्मा ने भी शूटिंग के दिनों को याद करते हुए रिद्धिमा कपूर की तारीफ की। उन्होंने बताया कि सेट पर काम करने के साथ-साथ सभी ने खूब मस्ती की, दिमागी खेल खेले और एक-दूसरे के साथ बेहतरीन वक्त बिताया। कलाकारों के बीच की यही ट्यूनिंग अब फिल्म के ट्रेलर में भी साफ नजर आ रही है।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2'

बड़ा ट्विस्ट, करण के अफेयर का शक गहराया, मचा हंगामा

टीवी का आइकॉनिक शो 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी 2' इन दिनों अपने जबरदस्त ट्विस्ट और फैमिली ड्रामे से दर्शकों को बांधे हुए है। कहानी अब ऐसे मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां रिश्तों में छुपे राज धीरे-धीरे सामने आने लगे हैं। आने वाले एपिसोड में करण से जुड़ा एक बड़ा खुलासा होगा, जो न सिर्फ तुलसी बल्कि पूरे शांतिनिकेतन परिवार को झकझोर कर रख देगा।

» **मुन्नी की खुशी के बीच नंदिनी की बेचैनी...** घर में मुन्नी की सफलता का जश्न मनाया जा रहा होता है, लेकिन नंदिनी का मन अशांत रहता है। तुलसी उससे बात कर उसे समझाने की कोशिश करती है कि करण को लेकर वह शायद गलत सोच रही है, लेकिन नंदिनी का शक कम होने के बजाय और गहरा जाता है।

» **करण से सीधे टकराएगी नंदिनी...** नंदिनी अपने शक को दबाने के बजाय करण का सामना करने का फैसला करती है। वह सबके सामने उससे अफेयर को लेकर तीखे सवाल करती है। घर का माहौल अचानक तनावपूर्ण हो जाता है और सभी हैरान रह जाते हैं।

» **बा की कसम पर भी नहीं थमेगा विवाद...** स्थिति को संभालने के लिए तुलसी आगे आती है और करण को बा की कसम देकर सच बताने के लिए कहती है। करण कसम खाकर खुद को बेगुनाह बताता है, लेकिन नंदिनी को उसकी बातों पर भरोसा नहीं होता और विवाद और बढ़ जाता है।

» **परी के साथ होगा नया बवाल...** कहानी में परी का ट्रैक भी नया मोड़ लेता है। अजय के घर पहुंचने पर एक गलतफहमी के कारण परी को अपमान झेलना पड़ता है। इस घटना से परिवार के रिश्तों में और खटास आ जाती है।

» **दूसरी औरत संग करण को देखेगा आर्यन...** सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आता है, जब करण एक दूसरी औरत के साथ अस्पताल में नजर आता है। आर्यन उसे देख लेता है और उसकी तस्वीर खींचकर गौतम को भेज देता है, जिससे मामला और गंभीर हो जाता है।

» **तुलसी के सामने आएगी सच्चाई की तस्वीर...** गौतम यह तस्वीर तुलसी को भेज देता है। जैसे ही तुलसी करण की दूसरी औरत के साथ फोटो देखती है, उसके पैरों तले जमीन खिसक जाती है। अब सवाल यह है कि करण सच में निर्दोष है या कोई बड़ा राज छुपा रहा है- इसका खुलासा आने वाले एपिसोड्स में होगा।

कभी 10 लोगों संग शेयर किया कमरा, आज लग्जरी लाइफ जीते हैं मनोज बाजपेयी

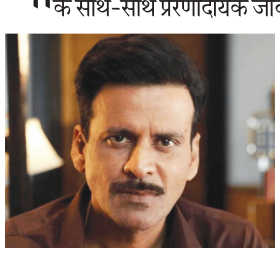

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता मनोज बाजपेयी आज अपनी शानदार एक्टिंग के साथ-साथ प्रेरणादायक जीवन कहानी के लिए भी जाने जाते हैं। बिहार के छोटे से गांव बेलवा से निकलकर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। उनका सफर संघर्षों से भरा रहा, लेकिन आज वे सफलता की ऊंचाइयों पर हैं। मुंबई पहुंचने के बाद मनोज बाजपेयी का जीवन आसान नहीं था। शुरुआती दिनों में वे एक चॉल में रहते थे, जहां उन्हें कई लोगों के साथ कमरा साझा करना पड़ता था। ऑडिशन के दौरान कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि एक बार उनकी फोटो तक कूड़ेदान में फेंक दी गई थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

बॉलीवुड न्यूज

जैस्मीन सैंडलस का कॉन्सर्ट बना विवादः पानी से खुद को भिगोया, लिप-सिंक देख भड़के फैंस

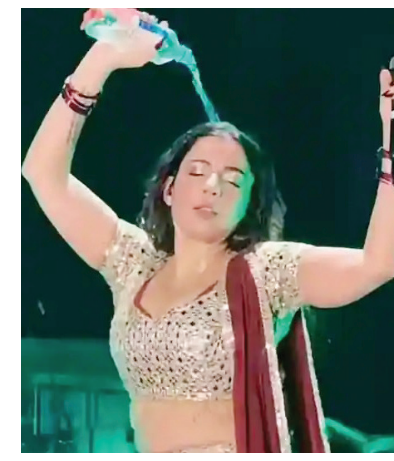

» पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री की 'गुलाबी क्वीन' कही जाने वाली और फिल्म 'धुरंधर' की मशहूर गायिका जैस्मीन सैंडलस एक बार फिर विवादों के घेरे में हैं। अहमदाबाद में आयोजित उनके हालिया कॉन्सर्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है, जिसके बाद उनके लाइव प्रदर्शन की प्रामाणिकता पर सवाल उठने लगे हैं। अहमदाबाद के इस कॉन्सर्ट में जैस्मीन ने अपने सुपरहिट ट्रैक 'शरारत' पर परफॉर्म किया। वीडियो में देखा जा सकता है कि जैस्मीन मंच पर बेहद ऊर्जावान नजर आ रही हैं और परफॉर्मेंस के बीच में ही उन्होंने नाटकीय अंदाज में अपने ऊपर पानी डाल लिया। हालांकि, फैंस का ध्यान उनकी इस हरकत से ज्यादा उनके लिप-सिंक पर गया। वायरल क्लिप में साफ दिख रहा है कि जैस्मीन वास्तव में गा नहीं रही थीं, बल्कि पीछे चल रहे प्री-रिकॉर्डेड ट्रैक पर केवल होंठ हिला रही थीं। भारी भरकम टिकट खरीदने वाले फैंस को उम्मीद थी कि वे जैस्मीन की जादुई आवाज लाइव सुन पाएंगे, लेकिन 'लिप-सिंक' के तमाशे ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

'रामायण' में रणबीर का लुक देख गदगद हुए अनुराग बसु

» निर्देशक नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म 'रामायण' इन दिनों भारतीय सिनेमा ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चर्चा का केंद्र बनी हुई है। फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभा रहे रणबीर कपूर के लुक को लेकर अब उनके पुराने सहयोगी और दिग्गज निर्देशक अनुराग बसु ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। और उनके अभिनय की तारीफ़ की। प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा की 'रामायण' सिनेमा जगत में चर्चा का एक अहम विषय बन गई है, खासकर इसके बड़े पैमाने और विज़न की वजह से। एक इंटरव्यू में, बसु - जिन्होंने पहले कपूर के साथ 'बर्फी!' और 'जग्गा जासूस' जैसी फ़िल्मों में काम किया है - ने कहा कि एक्टर ने 'इस लुक को बहुत ही शानदार तरीके से निभाया है।' बसु ने टिप्पणी की कि जब रणबीर पहली बार इस प्रोजेक्ट से जुड़े थे, तो उनका लुक उनकी उम्मीदों के मुताबिक ही था। उन्होंने भगवान राम जैसे किरदार को निभाने की चुनौती पर ज़ोर दिया और इसे एक मुश्किल भूमिका बताया, जिसके लिए पक्के इरादे की ज़रूरत होती है।

जीनत अच्छी एक्ट्रेस नहीं थीं मुमताज ने किया तीखा तंज

» बॉलीवुड की दो दिग्गज अभिनेत्रियों के बीच वैचारिक युद्ध अब एक नए मोड़ पर पहुँच गया है। बीते दौर की मशहूर अभिनेत्री मुमताज़ ने अपनी समकालीन कलाकार ज़ीनत अमान के अभिनय कौशल और उनके 'स्टारडम' पर गंभीर सवाल उठाए हैं। एक हालिया एक इंटरव्यू में मुमताज़ ने दो टूक शब्दों में कहा कि वह ज़ीनत को एक अच्छी अभिनेत्री नहीं मानतीं। एक बातचीत में, मुमताज़ ने ज़ीनत अमान पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वह कोई बहुत अच्छी एक्टर नहीं थीं। मुमताज़ ने ज़ीनत अमान को मिले अवॉर्ड्स की संख्या पर सवाल उठाया और टिप्पणी की, विकी लालवानी के साथ हाल ही में हुई एक बातचीत में, मुमताज़ ने कहा, ज़ीनत अमान बहुत अच्छी एक्ट्रेस नहीं थीं, यह कहते हुए मुझे अफ़सोस है—मैं उनसे भी माफ़ी मांगूंगी। उन्हें कितने अवॉर्ड मिले? अगर आप हर किसी को स्टार कहेंगे, तो यह कैसे चलेगा? हर कोई स्टार नहीं होता। मुमताज़ ने स्टारडम की अवधारणा के बारे में अपने दृष्टिकोण को विस्तार से बताया, यह संकेत देते हुए कि यह एक दुर्लभ उपलब्धि है जिसे हासिल करने में वर्षों लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि हर कोई दिलीप कुमार जैसे एक्टर्स के कद तक नहीं पहुंच सकता और इस बात पर ज़ोर दिया कि सच्चा स्टारडम एक ऐसा खिताब है जो केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही मिलता है।

6 दिन में बना डाला बड़ा रिकॉर्ड

कमाई में गिरावट के बीच भी 'भूत बंगला' का धमाका...

अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर चर्चा में बनी हुई है। 17 अप्रैल को रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला, लेकिन इसके बावजूद फिल्म की कमाई का सिलसिला जारी है। खास बात यह है कि गिरते कलेक्शन के बीच भी फिल्म ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

» **डे 6 का बॉक्स ऑफिस हाल...** रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को करीब 6।15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। हालांकि यह आंकड़ा पिछले दिनों के मुकाबले थोड़ा कम है, लेकिन इसके साथ ही फिल्म का कुल भारतीय बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 78।90 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वीकडेज में गिरावट आना आम बात है, लेकिन फिल्म ने अपनी पकड़ पूरी तरह नहीं छोड़ी है।

» **तुलना और चर्चा में फिल्म...** फिल्म की तुलना अन्य हॉरर-कॉमेडी फिल्मों से भी की जा रही है। खासकर 'भूल भुलैया 3' से मुकाबले में यह थोड़ा पीछे नजर आई। वहीं, वामिका गब्बी की तुलना ऐश्वर्या राय बच्चन से किए जाने पर अक्षय कुमार ने उनका समर्थन करते हुए कहा कि वामिका की अपनी अलग पहचान है और उन्होंने अपने दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाई है।

कुल मिलाकर, 'भूत बंगला' भले ही वीकडेज में थोड़ी धीमी पड़ी हो, लेकिन फिल्म की पकड़ अभी भी बनी हुई है और आने वाले दिनों में इसके कलेक्शन में फिर उछाल देखने को मिल सकता है।

बना खास रिकॉर्ड...

दिलचस्प बात यह है कि 'भूत बंगला' अब 2026 की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इससे आगे सिर्फ 'धुरंधर 2' और 'बॉर्डर 2' जैसी बड़ी फिल्में हैं। इस उपलब्धि के साथ फिल्म ने अपनी मौजूदगी मजबूत तरीके से दर्ज कराई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबरः 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com